

अल्टर्त जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार हवा, नर्मदापुरम में चन्द्रविश्व, रायसेन, गुना, अशोकनगर, रायसेनपुर और सिवनी में भारी बारिश होगी। जलपुर रहने का अल्टर्त है। वहीं, सीधे रायसेन, छिंदवाड़ा, पाण्डुरा, खंडवा, सिवनी, बालाघाट में मध्यम बारिश होगी। देवास, भोपाल, सारन, बलरामपुर, सिवनी, जबलपुर, रमेशपुर, नर्सिंहपुर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, महैर, भिंड, दतिया, बल्लियाँ, ग्वालियर, मंडला, डिंडोरी, सिवनी, अनुपपुर, बड़वानी, धार, इंदौर, आलीराजपुर और खरगोन में हल्की बारिश हो सकती है।

न्यूज गैलरी

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में की गई वृद्धि

विद्यार्थी 7 से 10 जुलाई तक कर सकेंगे ऑनलाइन पंजीयन, 21 जुलाई को होगा सीट आवंटन

भोपाल/नवप्रदेश। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 में, महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है। जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी, 7 से 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 से 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि 16 से 17 जुलाई तक होगी। विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 21 जुलाई को होगा। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 21 से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा। आवंटित महाविद्यालय में शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि तक प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा और प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने की दशा में प्रवेश नहीं माना जाएगा।

प्रेमिका ने शादी से किया इनकार, युवक ने किया सुसाइड

भोपाल के बड़े तालाब में लगाई छलांग, सुसाइड से पहले युवती को कॉल किया था



भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के वीआईपी रोड पर शीतला माता मंदिर के पास रैलिंग को फांदकर युवक ने तालाब में छलांग लगा दी। इससे उसकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने डायल 100 को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। घटना सोमवार की सुबह 10 बजे की है। टीआई दीपक डेहरिया ने बताया कि तालाब में छलांग लगाने वाले शख्स की पहचान अमित साहू (22) निवासी कोकता बाइपास के रूप में की है। छलांग लगाने के चंद मिनटों बाद ही उसका भाई भी मौके पर पहुंचा, उसने भाई की एक्टिवा की पहचान की। बताया जाता है कि अमित ने प्रेम प्रसंग के चलते सुसाइड किया। उसकी आखिर बात भी अपनी प्रेमिका से हुई थी।

6 साल से था रिलेशन में

मृतक के भाई रवि साहू ने बताया कि अमित 6 साल से एक लड़की के साथ रिलेशन में था। अमित उससे शादी करना चाहता था। इसके लिए परिजन भी राजी थे लेकिन लड़की ने पिछले दिनों अचानक शादी से इनकार कर दिया। इस बात को लेकर अमित तनाव में रहने लगा था। सुसाइड से पहले इस लड़की से उसकी बहस हुई, इसके बाद उसने तालाब में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। अमित बीकानेर से ग्रेजुएट था और ओला में खुद की टैक्सी चलाता था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि युवक ने तालाब में छलांग लगाने से पहले सड़क किनारे काले रंग की एक्टिवा क्रमांक एमपी 04 क़ 4937 को पार्क किया। इसके बाद में रैलिंग के किनारे खड़ा कुछ सोचता रहा। अचानक उसने पानी में छलांग लगाई। इसके बाद बाहर नहीं आया। तत्काल डायल 100 पर कॉल कर मामले को जानकारी दी। नगर निगम के गोताखोरों को भी मौके पर बुलाया गया। शव की तलाश की गई।

ग्राउंड का अधिग्रहण रोकने मंत्री के बंगले पर पहुंचे लोग

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के बरखेड़ा एफ सेक्टर स्थित बाबूलाल गौर खेल एवं दशरहा मैदान के अधिग्रहण के विरोध में सोमवार को कई लोग मंत्री कृष्णा गौर के बंगले पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि भेल ने बाउंड्रीवॉल बनाकर मैदान को लीज पर दे दिया। मंत्री गौर ने इस मामले में भेल प्रबंधन से चर्चा करने की बात कही है। भेल युवा संगम समिति के बैनरतले लोग मंत्री के बंगले पर पहुंचे थे। पूर्व पार्षद केवल मिश्रा ने बताया कि पिछले 10 साल से मैदान पर सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन भी किए जा रहे हैं। वहीं, क्रिकेट, कबड्डी, वालीबॉल टूर्नामेंट भी होते हैं। पहले मैदान उबड़-खाबड़ था, जिसे लोगों ने मिलकर 300-400 ट्रक मिट्टी डालकर समतल किया। इसी मैदान का अधिग्रहण भेल प्रबंधन ने किया है, जो ठीक नहीं है। लोगों ने कहा कि भेल ने इस मैदान को बाउंड्रीवॉल बनाकर लीज पर दे दिया है। जिसका विरोध रहवासी लगातार कर रहे हैं। मंत्री से मिलकर उन्हें अपनी समस्याएं बताई गईं। मंत्री गौर ने रहवासियों को आश्वासन दिया कि वे भेल प्रशासन से बात करेंगे। वहीं रहवासियों का कहना है कि अगर उनकी समस्या का निराकरण नहीं किया जाता है तो वो उग्र प्रदर्शन और आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे। मंत्री गौर के बंगले का घेराव किए जाने की जानकारी मिलते ही पुलिस अलर्ट हो गई। बंगले के बाहर पुलिसकर्मी तैनात किए गए। ताकि, कोई किसी प्रकार का हंगामा न कर सके।

प्रदेश में पहली बार पौधरोपण के लिए अत्याधुनिक तकनीक का किया जाएगा उपयोग

ऐप के माध्यम से महिला हितग्राहियों का होगा चयन

15 अगस्त से एक बगिया माँ के नाम अंतर्गत शुरू होगा पौधरोपण

स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर विकसित की जाएगी फलोद्यान बगिया

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत -एक बगिया मां के नाम- परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया विकसित की जाएगी। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब अत्याधुनिक तरीके पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर मनरेगा परिषद ने तैयारी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण



विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश भी जारी किए गए हैं। एक बगिया मां के नाम परियोजना का लाभ लेने वाली आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिला का चयन -एक बगिया मां के नाम- ऐप से किया जाएगा। मनरेगा परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ऐप का निर्माण किया गया है। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति, पिता, ससुर और पुत्र की भूमि पर सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा। एक बगिया माँ के नाम’’ परियोजना अंतर्गत प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व-

सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। इनकी निजी जमीन पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाए जाएंगे, जो समूह की महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे। परियोजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पौधे, खाद और गड़ड़ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी।

प्रत्येक ब्लॉक में 100 हितग्राहियों का किया जाएगा चयन

एक बगिया मां के नाम परियोजना अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में न्यूनमत 100

हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। चयनित पात्र महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण महिलाओं को वर्ष में दो बार दिया जाएगा।

सॉफ्टवेयर बताएगा किस प्रजाति के पौधे के लिए है जमीन उपयोगी

एक बगिया माँ के नाम’’ परियोजना अंतर्गत पौधरोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से किया जाएगा। जमीन चिन्हित होने के बाद सॉफ्टवेयर से भूमि का परीक्षण किया जाएगा। जलवायु के साथ ही किस जमीन पर कौन सा फलदार पौधा उपयुक्त है। पौधा कब और किस समय लगाया जाएगा। सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि पौधों की सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी का स्रोत कहां उपलब्ध है। जमीन के उपयोगी नहीं पाए जाने पर पौधरोपण का कार्य नहीं होगा।

न्यूनतम आधा एकड़ अधिकतम 1 एकड़ जमीन होना अनिवार्य

एक बगिया मां के नाम- परियोजना का लाभ लेने के लिए चयनित हुई समूह की महिला के पास बगिया लगाने के लिए भूमि

मंत्री कुशवाहा नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की बैठक में हुए शामिल

भोपाल/नवप्रदेश।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 96वीं आमसभा बैठक में सम्मिलित हुए। भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम ऑर्डिनेटोरियम एम.ए.एस.सी. कॉम्प्लेक्स के सभागार में आमसभा की अध्यक्षता केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की। मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश को उद्यानिकी राज्य में विकसित करने के लिये सरकार दृढ़ संकल्पित है। मध्यप्रदेश का मसालों के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान है। उन्होंने कहा कि इसको दृष्टिगत रखते हुये भारत कृषि अनुसंधान परिषद का प्रदेश में अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया जाये। इससे प्रदेश के कृषकों को मसाला फसलों की उन्नत प्रजातियां सुलभ एवं उचित दाम पर उपलब्ध हो सकेंगी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मसाला

उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। कृषकों की आय में वृद्धि, उद्यानिकी उत्पाद के मूल्य संवर्धन से प्र-संस्करण उद्योग को बढ़ावा, प्रदेश एवं देश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय के अध्ययन में सुविधायें प्राप्त होगी तथा प्रदेश के उद्यानिकी उत्पाद को निर्यात प्रोत्साहन मिलेगा। मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि सब्जियों की संकर किस्मों के बीज बाजार में अधिक कीमतों में उपलब्ध हो पाते है। भारतीय कृषि अनुसंधान द्वारा उत्पादित संकर सब्जी बीजों को प्रदेश के कृषकों को सुलभ एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर बीज उत्पादन का कार्यक्रम अभियान के रूप में चलाया जाए। इससे कम लागत और कम समय में किसान बेहतर उत्पादन कर सकेंगे। आम सभा की बैठक में अनुसंधान परिषद के कार्यो का लेखा-जोखा तथा भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

सांदीपनि विद्यालयों में यूनिसेफ के सहयोग से चलेगा कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

नोडल शिक्षक की मदद से सभी विद्यार्थियों के कॅरियर डायरी और फोल्डर हमें तैयार

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का करियर मार्गदर्शन यूनिसेफ के सहयोग से दिया जायेगा। कॅरियर रिफ्रेशर प्रशिक्षण के द्वारा प्रत्येक विद्यालय के एक नोडल शिक्षक को संसाधनों को उपयोग करने के लिये सक्षम बनाया जा रहा है। नोडल शिक्षक के माध्यम से ही विद्यालय में कॅरियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली गतिविधियां संचालित की जायेंगी। कॅरियर मार्गदर्शन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं। नोडल शिक्षक एवं कक्षा शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों से कॅरियर इनफॉर्मेशन डायरी और कॅरियर फोल्डर तैयार कराया जायेगा, जिसमें हर माह की कॅरियर संबंधी जानकारी संधारित कराई जायेगी। कॅरियर गतिविधियों का संचालन राज्य स्तर से जारी कॅरियर कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में नियमित रूप से संचालित कराया जायेगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि विद्यालय समय सारणी में विद्यार्थियों के कॅरियर मार्गदर्शन के लिये कम से कम 2 पीरियड प्रति माह आवंटित किये जायें। विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कॅरियर नोडल शिक्षक एवं सहयोगी शिक्षकों के माध्यम से कॅरियर मार्गदर्शन सत्रों की योजना बनाकर सुव्यवस्थित संचालन कराया जाये। कॅरियर गाइडेंस में प्रशिक्षित नोडल शिक्षक के माध्यम से विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक अध्यापन कराने वाले अन्य 2 शिक्षकों को भी शाला स्तर पर प्रशिक्षित करके उनका सहयोग लिया जाये। विद्यालय में प्रार्थना सभा में कॅरियर गाइडेंस की सहायता से सभी कक्षा के डेमेन से संबंधित एक या दो कॅरियर कार्ड की संक्षिप्त जानकारी सप्ताह में किन्हीं 3 दिनों में साझा की जा सकती है। इस प्रक्रिया से विद्यार्थी कॅरियर के प्रति रूचि लेकर स्वयं कार्ड पढ़कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेगा। निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक सांदीपनि विद्यालय में एक कॅरियर कान्न बनाना या किसी कॅरियर संबंधी सामग्री, कॅरियर कार्ड, पोस्टर, बोशर और विद्यार्थी द्वारा बनाई गई सामग्री प्रदर्शित की जाये। सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्यों से इस शैक्षणिक सत्र में जनवरी माह में कॅरियर मेला आयोजन की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के कहा गया है। विद्यालय स्तर पर मॉनिटरिंग के लिये प्राचार्यों से कहा गया है कि कॅरियर मार्गदर्शन से संबंधित विषयों पोर्टल की मॉनिटरिंग फार्म को नोडल शिक्षक की सहायता से भरवाया जाये।

भोपाल सेंट्रल जेल में 16 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम बनेंगे बाहरी कैदी वीसी पर परिजनों से बात कर सकेंगे, इसी से पेशी भी होगी

भोपाल/नवप्रदेश।

सेंट्रल जेल जल्द ही पहले से अधिक हार्डटेक होने जा रहा है। अब तक यहां केवल 11 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम होते थे। जिसके माध्यम से आतंकियों और हार्डप्रोफाइल कैदियों की ही पेशी करा पाना जेल प्रशासन के लिए संभव होता था। जल्द यहां 16 नए वीसी रूम का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। इसके लिए मुख्यालय से बजट पास कर दिया गया है। इसका उद्देश्य कैदियों को अदालत में पेशी के लिए जेल से बाहर ले जाने की आवश्यकता को कम करना है, और सुरक्षा, दक्षता में सुधार करना है।

मुलाकात प्रक्रिया आसान होगी

जेल अधिकक्षक राकेश भांगरे ने बताया कि यह कदम कैदियों को उनके परिवार से जोड़े रखने और उन्हें सामाजिक रूप से जुड़े रहने में मदद



करेगा। साथ ही, इससे जेलों में मुलाकातों की प्रक्रिया भी आसान हो जाएगी, जिससे कैदियों और उनके परिजनों दोनों को सुविधा होगी। वीसी रूम के माध्यम से, कैदियों को अदालत में शारीरिक रूप से पेश होने की आवश्यकता कम होती है।

सुरक्षा जोखिम कम होता है

वीसी से पेशी कराने पर सुरक्षा

जोखिम कम होता है। वीसी के माध्यम से, कैदी अपने परिवार और दोस्तों से आसानी से मिल सकते हैं, जिससे उनके मानसिक सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वीसी अदालती कार्यवाही और अन्य जेल गतिविधियों को अधिक कुशल बना सकता है। वीसी के उपयोग से यात्रा और सुरक्षा लागतों को कम किया जाने में भी फायदा मिलेगा।

मोहन यादव बोले- कांग्रेस ने चार लाइन में किया ऐलान; पटवारी बोले- सीएम खुद पर्ची वाले

ओबीसी आरक्षण पर सीएम और कांग्रेस आमने-सामने

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का मामला पिछले 5 साल से कोर्ट में अटक हुआ है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसके बाद राजनीति गर्म हो गई है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने रविवार को कहा कि कांग्रेस सरकार ने बिना किसी सर्वे और तैयारी के सिर्फ चार लाइन का कागज बनाकर आरक्षण देने का ऐलान कर दिया था। इसी वजह से ये मामला अब तक कोर्ट में फंसा हुआ है। सीएम ने कहा कि हमने अधिकारियों से कहा है कि सही आंकड़ों के साथ एक नया कानून तैयार करें, जिसे विधानसभा में लाया जाएगा। सरकार इस पर काम कर रही है।

पटवारी बोले- सीएम का बयान राजनीतिक अपरिपक्वता वाला

सीएम के बयान पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा- ओबीसी के लोगों के साथ अन्याय और अत्याचार हो रहे हैं। विधानसभा में कानून बना, अध्यादेश विधानसभा से पारित हुआ, प्रशासनिक स्वीकृति हुई। मध्य प्रदेश कर्ज में डूबता जा रहा है, एप्लीकेबल करके राज्यपाल के पास भेजा। यही अधिकारी थे जिन्होंने वो



भेजा था। उनको मुख्यमंत्री कहते हैं पर्ची पर चार लाइन लिख दी। ये भाषा है मुख्यमंत्री जी की? बिल पर बिल लाने की बात करना एक तरह से राजनीतिक अपरिपक्वता बताती है।

सीएमओ में तबादलों पर बोले- ये प्रशासनिक अराजकता

अधिकारियों के बार-बार हो रहे तबादलों पर कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार तबादले यह दिखाते हैं कि प्रदेश में हालात ठीक नहीं हैं। मध्य प्रदेश कर्ज में डूबता जा रहा है, प्रशासन कमजोर है और कानून व्यवस्था भी बिगड़ती जा रही है।

सीएम बोले- हमारी सरकार 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। अभी जो 14 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है, उसके अलावा बाकी लोगों को भी फायदा मिले, इसके लिए सरकार कोशिश कर रही

है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों की समस्याएं पहले भी सुलझाई हैं। अब ऐसे छात्र जो कोर्ट केस की वजह से ज्वाइनिंग नहीं ले पाए, उन्हें भी ज्वाइनिंग दिलाने की कोशिश की जाएगी।

सीएम ने कहा- कांग्रेस केवल घुमाने का प्रयास करती है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ जनता को भ्रमित करने का काम करती है। अब वह जातिगत जनगणना का श्रेय लेने की कोशिश कर रही है, जबकि इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुरू कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि कांग्रेस की सरकार 70 साल तक रही, लेकिन उसने कभी जातिगत जनगणना नहीं करवाई। बल्कि 1953 में प्रधानमंत्री नेहरू ने इसे बंद करवा दिया था, जबकि यह अंग्रेजों के समय से चल रही थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न तो ओबीसी वर्ग को आरक्षण दिया और न ही किसी ओबीसी नेता को मुख्यमंत्री बनाया। हमारी सरकार ने ओबीसी और सामान्य वर्ग दोनों को आरक्षण दिया है और सभी वर्गों के हित में काम कर रही है।

न्यूज गैलरी

स्टाप डायरिया सह दस्तक अभियान
22 जुलाई से 16 सितंबर तक

सीहोर/नवप्रदेश। जिले में 0 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों को स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए दस्तक अभियान सह स्टॉप डायरिया अभियान का आयोजन 22 जुलाई से 16 सितंबर तक किया जाएगा। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय टास्क फोर्स मिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी एसडीएम, एसीएमएचओ, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा महिला एवं बाल विकास के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि कोई भी अभियान माइक्रो प्लानिंग, जागरूकता और अभियान के क्रियान्वयन और संचालन के लिए संबंधित विभागों में समन्वय से ही सफल होता है। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे विकासखण्ड स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित सभी संबंधित विभागों की बैठक कर कार्ययोजना के अनुसार क्रियन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता, आंगवाड़ी कार्यकर्ता सहित सभी संबंधित मैदानी अमले को अपने कार्य स्पष्ट रूप से जान होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रतिदिन स्वास्थ्य परीक्षण, दवाओं की उपलब्धता और वितरण की मानिट्रिंग करने के निर्देश दिए। इस अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और एएनएम का दल आंगनवाड़ी केंद्र एवं स्वास्थ्य केंद्रों पर बच्चों की स्वास्थ्य जांच करेंगे। बैठक में सीएमएचओ श्री सुधीर कुमार डेहरियों ने विस्तार से जानकारी दी।

अभियान की मुख्य गतिविधियां
समुदाय में अभियान के दौरान बीमार नवजातों एवं बच्चों की पहचान,प्रबंधन,उपचार एवं रेफरल बच्चों में कुपोषण की जांच एवं चिन्हित गंभीर कुपोषित एवं बीमार बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में रेफर किया जाएगा। 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों में खून की कमी की जांच एवं गंभीर खून की कमी वाले बच्चों को उपचार के लिए रेफर किया जाएगा। बच्चों में निर्मोनिया एवं दस्त रोग की पहचान कर चिन्हित गंभीर बच्चों का प्रबंधन किया जाएगा। बच्चों में जन्मजात विकृति की पहचान एवं अन्य बीमारियों जांच एवं उचित प्रबंधन किया जाएगा। 09 माह से 5 वर्ष के समस्त बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाएंगे। स्तनपान एवं उचित आहार संबंधी सलाह दी जाएगी। इस अभियान के दौरान ही दस्त रोग नियंत्रण के साथ ओआरएस पैकेट का वितरण तथा ओआरएस जिंक की गोली एवं हाथ धुलाई संबंधी सलाह दी जाएगी। जन्म के समय कम वजन के शिशुओं एवं कम वजन के बच्चों की उचित देखभाल संबंधी सलाह दी जाएगी। एसएनसीयू एवं एनआरसी से छुट्टी प्राप्त बच्चों में बीमारी की स्क्रीनिंग तथा फालोअप को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

विभागीय कार्यों को तय समयावधि में गुणवत्तापूर्वक करें पूर्ण-कलेक्टर सिंह

वर्षा के महेनजर सभी एसडीएम को जर्जर भवनों,विद्यालयों व आंगनवाड़ी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करने के निर्देश अमानक खाद एवं कालाबाजारी पर दंडात्मक कार्यवाही के निर्देश खाद्य विभाग को फूड सेफ्टी से संबंधित गतिविधियों को तेज गति से संचालित करने के निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सोमा पत्रों की समीक्षा बैठक की। बैठक में एडीएम श्री भूपेन्द्र गोयल, श्री प्रकाश नायक, श्री अंकुर मेश्राम, सभी एसडीएम एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी विभागीय कार्यों को तय समयावधि में गुणवत्तापूर्वक



पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही एवं ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक अधिकारी को अपने दायित्व का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करना होगा। कलेक्टर श्री सिंह ने खाद की

उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि अमानक खाद एवं कालाबाजारी पर दंडात्मक कार्यवाही की जाए, ताकि किसान हितों की रक्षा की जा सके। उन्होंने कृषि संबंधी जानकारी लेते हुए मूंग दाल की

नरसिंहगढ़ में मुख्यमंत्री के आगमन के तैयारियों की समीक्षा

राजगढ़ / नवप्रदेश।

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने सोमवार को प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग श्री गौतम टेटवाल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग श्री नारायण सिंह पंवार एवं नरसिंहगढ़ विधायक श्री मोहन शर्मा के साथ 12 जुलाई को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित भ्रमण के तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अमित



तौलानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री महीप किशोर तेजस्वी, अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी श्री सुशील कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। समीक्षा के दौरान बरसात के मौसम के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थलों पर आवश्यक

इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, विभागों के स्टॉल, हेलीपेड व्यवस्था, रोड शो के दौरान मार्ग व्यवस्था, बिजली के तारों को सुरक्षित करना, कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, एंबुलेंस एवं फायर ब्रिगेड आदि व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को पाबंद किया गया। समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के सभी आवश्यक

गाँवों में निर्मित खेत तालाबों और अमृत सरोवर से पांच हजार एकड़ भूमि होगी सिंचित

ढाई हजार से अधिक खेत तालाबों का हुआ निर्माण, सोलह सौ से अधिक कूप रिचार्ज

जल गंगा संवर्धन अभियान में रायसेन जिले को प्रदेश में मिला द्वितीय स्थान

रायसेन/नवप्रदेश। जिले में 30 मार्च से 30 जून तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में 2500 से अधिक खेत तालाब एवं 23 अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य कराया गया। इनके निर्माण से 5000 एकड़ से अधिक भूमि सिंचित हुई। 1600 से अधिक कूप रिचार्ज पिट का निर्माण कराया गया जिससे पूर्व से निर्मित कूपों में जल भराव अधिक होने से किसान दोनों फसलों में सिंचाई कर सकेंगे। इन कार्यों को नवीन तकनीक स्टूक्कहूट्ट एप के माध्यम से चिन्हांकित किया गया। अभियान के दौरान बेतवा के उदम स्थल पर बेतवा को पुर्नजीवित कर, अचिरल धारा प्रवाहित हेतु प्रयास किये गये। 15000 से अधिक जलदूतों का पोर्टल पर पंजीयन कराकर, प्रशिक्षण कराया गया। विभिन्न ग्राम पंचायतों में साफ सफाई एवं जल संरक्षण के कार्य भी कराये गये। इस हेतु जिले को राज्य स्तर से ग्रेडिङ में प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने जानकारी देते हुये बताया कि रायसेन जिले में जिला कलेक्टर के मार्ग दर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा योजना से जल संरक्षण के कार्य कराये गये । जिले में जल संरक्षण की दिशा में जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान हुए



महत्वपूर्ण कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में 2500 से अधिक खेत तालाबों का हुआ निर्माण, 1690 कूप रीचार्ज पिट का निर्माण, 23 अमृत सरोवर हुए स्वीकृत किये गये। अभियान के दौरान मनरेगा के तहत 1000 से अधिक जल संग्रहण के कार्यों को भी पूर्ण कराया गया है। अभियान के दौरान जिले के झिरी ग्राम में स्थित बेतवा नदी के उद्गम स्थल को पुर्नजीवित किया गया, जो कि जिले में हुए महत्वपूर्ण कार्यों में से एक हैं। जिले में स्थित अन्य नदियों के उद्गम स्थलों को संरक्षित करने के कार्य कराये गये। सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रायसेन जिले की सभी सातों जनपद पंचायतों में कुल 2500 से अधिक खेत तालाबों का निर्माण कराया गया है। जिससे एक ओर जहां बारिश का जल संग्रहित हो सकेगा, वहीं किसानों को भी सिंचाई के लिए जल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त 1687 कूप रीचार्ज पिट का निर्माण कराया गया है। जिले की बाड़ी जनपद पंचायत में 329 खेत तालाब, बेगमगंज जनपद पंचायत में 509 खेत तालाब, गैरतगंज जनपद पंचायत में 354 खेत तालाब, औबेदुल्लागंज

जनपद पंचायत में 213 खेत तालाब, सांची जनपद पंचायत में 366 खेत तालाब, सिलवानी जनपद पंचायत में 490 खेत तालाब और उदयपुरा जनपद पंचायत में 302 खेत तालाबों के निर्माण कार्य स्वीकृत कराये गये। इसी प्रकार जिले की सभी जनपद पंचायतों में 1687 कूप रीचार्ज पिट का भी निर्माण कराया गया है। इसमें बाड़ी जनपद पंचायत में 183, बेगमगंज जनपद पंचायत में 340, गैरतगंज जनपद पंचायत में 207, औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत में 158, सांची जनपद पंचायत में 161, सिलवानी जनपद पंचायत में 144 और उदयपुरा जनपद पंचायत में 194 कूप रीचार्ज पिट का निर्माण कराया गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़े कार्यों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, संगठनों और नागरिकों की भी सहभागिता सुनिश्चित कराई गई। अभियान के तहत नागरिकों को जल संरक्षण के लिए जागरूक करने हेतु पानी चौपाल सहित अनेक गतिविधियां भी आयोजित कराई गईं। माय भारत एप में 15000 से अधिक जलदूतों का मोबाईल के माध्यम से पंजीयन कराया गया इन जल दूतों के

कलेक्टर विश्वकर्मा ने की विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की समीक्षा

निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण कराने के दिए निर्देश

रायसेन/नवप्रदेश। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिले में विभिन्न विभागों के विकास और निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय सड़क प्राधिकरण सहित विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण कराया जाए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने रायसेन-राहगढ़ मार्ग पर एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को कार्य गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।



कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग के तहत निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान रायसेन, उदयपुरा, गैरतगंज, बेगमगंज सहित अन्य तहसीलों

में निर्माणाधीन सांदीपनी स्कूल भवनों के कार्य की जानकारी लेते हुए निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार लोक निर्माण विभाग की समीक्षा

के दौरान कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि सड़कों का रखरखाव बेहद जरूरी है। सड़कों में गड्ढे होने पर उन्हें तुरंत भरवाएं। साथ ही मरम्मत योग्य पुल-पुलियों को भी ठीक करवाने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन संयुक्त तहसील भवनों, एसडीएम भवन सहित अन्य निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। जल संसाधन विभाग के तहत निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों की प्रगति, भू-अर्जन की स्थिति और किसानों को भुगतान शेष होने संबंधी जानकारी लेते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

टीएल बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों और विभागीय गतिविधियों की समीक्षा

रायसेन/नवप्रदेश।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन, शासकीय योजनाओं तथा गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत अधिक समयावधि तक लंबित ना रहे, शिकायत प्राप्त होते ही निराकरण की कार्यवाही की जाए। उन्होंने निम्न गुणवत्ता से निस्कृत सीएम हेल्पलाईन और नॉन अटेन्डेंट सीएम हेल्पलाईन की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला अधिकारी स्वयं कार्यालय स्तर पर मॉनीटरिंग करें। सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराएं। बैठक में कलेक्टर श्री



विश्वकर्मा ने मूंग खरीदी की तैयारियों की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी निर्धारित केन्द्रों पर उपार्जन कार्य प्रारंभ कराते हुए शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के बाद भी आवास का निर्माण नहीं कराया जा रहा है उन्हें समझाईश देते हुए कार्य पूर्ण कराएं। उन्होंने

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने पीओ डूडा सहित सभी सीएमओ को निर्देश दिए कि प्रगतिरत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराएं। जिन हितग्राहियों द्वारा किस्त मिलने के बाद भी आवास का निर्माण नहीं कराया जा रहा है उन्हें समझाईश देते हुए कार्य पूर्ण कराएं। उन्होंने

पीएम आवास शहरी 2.0 में प्राप्त आवेदनों का सत्यापन कार्य पूर्ण कराने और जियो टैगिंग प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला कृषि अधिकारी से उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कहा कि किसानों के लिए

पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता रहे। साथ ही उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण कर सैम्पल जांच हेतु भेजे जाएं। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए सीएमएचओ को निर्देशित किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने एसडीएम, पीओ डूडा, जनपद सीईओ सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़कों पर गौवश ना रहे, यह सुनिश्चित कराएं। इसके लिए दल गठित कर नियमित पेट्रोलिंग कराएं और सड़कों पर मिलने वाले गौवश को सीएमपी की गोशालाओं में छुड़वाएं। टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने वन विभाग की समीक्षा के दौरान वन भूमि पर अवैध उत्खनन और परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की जानकारी लेते हुए अवैध उत्खनन पर सख्ती से रोक

लगाने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध परिवहन में प्रयुक्त होने वालों वाहनों को राजसात करने की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। इसी प्रकार जिला परिवहन अधिकारी से स्कूल बसों की जांच किए जाने संबंधी जानकारी लेते हुए कहा कि कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि जो बसें चलने योग्य नहीं हैं, फिट नहीं हैं ऐसी बसों को बंद करवाएं। उन्होंने एसडीएम को भी स्कूल बसों की जांच किए जाने हेतु निर्देशित किया। बैठक में शिक्षा विभाग, अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, जल संसाधन, सामाजिक न्याय विभाग, पीएचई सहित अनेक विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा जिला अधिकारी

सांदीपनि विद्यालयों में यूनिसेफ के सहयोग से चलेगा कॉरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

नोडल शिक्षक की मदद से सभी विद्यार्थियों के कॉरियर डायरी और फोल्डर होंगे तैयार

रायसेन/नवप्रदेश। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का करियर मार्गदर्शन यूनिसेफ के सहयोग से दिया जायेगा। कॉरियर रीफ़ेशर प्रशिक्षण के द्वारा प्रत्येक विद्यालय के एक नोडल शिक्षक को संसाधनों को उपयोग करने के लिये सम्मन्न बनाया जा रहा है। नोडल शिक्षक के माध्यम से ही विद्यालय में कॉरियर मार्गदर्शन प्रदान करने वाली गतिविधियां संचालित की जायेंगी। कॉरियर मार्गदर्शन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालय के प्राचायों को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

विद्यालय स्तर पर गतिविधियों का संचालन

नोडल शिक्षक एवं कक्षा शिक्षक की सहायता से सभी विद्यार्थियों से कॉरियर इन्फॉर्मेशन डायरी और कॉरियर फोल्डर तैयार कराया जायेगा, जिसमें हर माह की कॉरियर संबंधी जानकारी संधारित कराई जायेगी। कॉरियर गतिविधियों का संचालन राज्य स्तर से जारी कॉरियर कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में नियमित रूप से संचालित कराया जायेगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि विद्यालय समय सागणी में विद्यार्थियों के कॉरियर मार्गदर्शन के लिये कम से कम 2 पीरियड प्रति माह आवंटित किये जायें। विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार कॉरियर नोडल शिक्षक एवं सहयोगी शिक्षकों के माध्यम से कॉरियर मार्गदर्शन सत्रों की योजना बनाकर सुव्यवस्थित संचालन करवाया जाये। कॉरियर गाइडेंस में प्रशिक्षित नोडल शिक्षक के माध्यम से विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक अध्यापन कराने वाले अन्य 2 शिक्षकों को भी शाला स्तर पर प्रशिक्षित करके उनका सहयोग लिया जाये।



■ न्यूज गैलरी

एमपी टास्क पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 9 जुलाई

बैतूल/नवप्रदेश। आकांक्षा योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में जेईई, नीट एवं सीएलएट की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थी 9 जुलाई तक एमपी टास्क पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। जनजातीय कार्य विभाग सहायक आयुक्त ने बताया कि आकांक्षा योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए एमपी टास्क पोर्टल पर जेईई, नीट एवं सीएलएट की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लक्ष्य अनुसार आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण आनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाते हुए 9 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। प्रत्येक आदिवासी विकासखण्ड से न्यूनतम 250 विद्यार्थियों के आवेदन कराए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। उन्होंने योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए कक्षा 10वीं में उत्तीर्ण अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक विद्यार्थियों से एमपी टास्क पोर्टल में लक्ष्य अनुसार आनलाईन आवेदन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर जैन ने बीएलओ व सुपरवाइजर्स के प्रशिक्षण का किया निरीक्षण
हरदा/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में चल रहे बीएलओ व सुपरवाइजर्स के प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने प्रशिक्षण में अनुपस्थित बीएलओ व सुपरवाइजर्स को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान एसडीएम हरदा श्री कुमार शानु देवधिया उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर निर्वाचक नामावली को त्रुटिरहित बनाने के लिये बीएलओ की क्षमता वृद्धि हेतु सभी बृथ लेवल ऑफिसर्स का विकासखण्ड स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान बताया कि 7 से 10 जुलाई के मध्य जिले की विधानसभा हरदा अंतर्गत 274 तथा टिमरनी अंतर्गत 243 बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

हरदा के खाद्य प्रतिष्ठानों से तेल, घी, पास्ता व आलू मसाला के नमूने लिये

हरदा/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग के दल ने सोमवार को हरदा के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य सामग्रियों के सैंपल लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राजेन्द्र कान्हेल से बताया कि निरीक्षण के दौरान हरदा के श्रीराम ऑयल से तेल का सैंपल लिया। इसके अलावा अपना बाजार से घी के 3 सैंपल, श्रीनाथ चाइनीज पाव भाजी से पास्ता व मंजूरियन बॉल तथा पलक चाइनीज एंड ज्यूस सेंटर से आलू मसाला व सांभर के सैंपल लिए। उन्होंने बताया कि ये सैंपल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जायेंगे तथा जांच बाद रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

अब निजी चिकित्सक देंगे हरदा के संजीवनी क्लिनिकों पर अपनी सेवाएं

कलेक्टर जैन ने निजी चिकित्सकों से की चर्चा

हरदा/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले के निजी चिकित्सकों से हरदा शहर के संजीवनी क्लिनिकों व पॉली क्लिनिक में अपनी सेवाएं देने के लिये चर्चा की। बैठक में निजी चिकित्सकों द्वारा भी संजीवनी क्लिनिकों पर अपनी सेवाएं देने के लिये सहमति व्यक्त की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह सहित निजी चिकित्सालय के चिकित्सक उपस्थित थे। बैकट में स्त्री रोग विशेषज्ञ रेवा नर्सिंग होम डॉ. मंजूषा पराते ने प्रति गुरुवार प्रातः 10 से 12 बजे तक हरदा शहर के वार्ड क्र. 34 विकास नगर स्थित मुख्यमंत्री संजीवन क्लिनिक में अपनी सेवाएं देने के लिये सहमति व्यक्त की। इसी प्रकार स्त्री रोग विशेषज्ञ मानकर नर्सिंग होम डॉ. यामिनी मानकर ने प्रति गुरुवार प्रातः 10 से 12 बजे तक हरदा के वार्ड क्र. 31 बैराग? स्थित संजीवनी क्लिनिक, डॉ. एम.एस. सेंगर एम.डी. मेडिसीन ने प्रति सोमवार प्रातः 10 से 12 बजे तक बैराग? स्थित संजीवनी क्लिनिक, स्त्री रोग विशेषज्ञ बघेल हॉस्पिटल डॉ. यशली ठाकुर ने प्रति शुक्रवार प्रातः 10 से 12 बजे तक विकास नगर स्थित संजीवनी क्लिनिक तथा डॉ. राजेश गुर्जर एम.डी. मेडिसीन ने प्रति गुरुवार प्रातः 10 से 12 बजे तक दूध डेयरी हरदा स्थित संजीवनी पॉली

स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी और सफल क्रियान्वयन किया जाएं

बैतूल/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अश्वत जैन और सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की विभागावार समीक्षा कर कलेक्टर ने शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर प्रगति लाने के

निर्देश सभी जिला अधिकारियों को दिए। उन्होंने प्रमुख रूप से जनजातीय कार्य विभाग, वाणिज्यकर, उद्यानिकी, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन, विज्ञान प्रौद्योगिकी, सामाजिक न्याय और श्रम विभाग के जिला अधिकारियों को शिकायतों प्राथमिकता से निराकरण करने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि 50 दिवस से अधिक की शिकायतों का भी जल्द निराकरण सुनिश्चित कराएं। जन शिकायतों के निराकरण में कोताही ना बरते। स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित आयुष्मान, टीबी उन्मूलन ,सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन, टीकाकरण, बाल मृत्यु दर, शिशु



मृत्यु दर इत्यादि समस्त योजनाओं में कलेक्टर ने सभी बीएमओ से चर्चा कर मिशन मोड में कार्य करने और 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए। देह दान और अंग

दान के संबंध में भी शासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्रों का संचालन, पोषण

उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए कार्यशाला का आयोजन

भारत की अर्थव्यवस्था में उद्योग जगत का सबसे बड़ा योगदान : उपाध्यक्ष मोहन नागर

बैतूल/नवप्रदेश। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग मध्य प्रदेश की नोडल एजेंसी लघु उद्योग निगम और इंडस्ट्री पार्टनर लघु उद्योग भारती द्वारा बीआरसी क्लब ग्रीन सिटी इंडस्ट्रियल एरिया बैतूल में सोमवार को लघु उद्योग भारती के सहयोग से उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष व राज्य मंत्री दर्जा श्री मोहन नागर, श्री सुधाकर पवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अश्वत जैन, श्री मुकेश खंडेलवाल, श्री बालाराम साहू, श्री हकम सिंह रघुवंशी, श्री डीडी सेठिया, श्री पुरुषोत्तम कौशिक, श्री विनोद नायर, श्री देवेन्द्र श्रीवास्तव उपस्थित थे। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने भारत माता के छायाचित्र समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने कहा कि लघु उद्योग किसी भी देश की आर्थिक रीढ़ होते हैं। यही उद्योग न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाते हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में उद्योग जगत का सबसे बड़ा योगदान है। गृह, लघु एवं कुटीर उद्योग से ही भारत सोने की चिड़िया बना था। जिन्हें अंग्रेजों ने

आकर समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के आने के पहले भारत का देश की अर्थव्यवस्था में योगदान 30 प्रतिशत था। अंग्रेजों के जाने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान महज 5 प्रतिशत ही बच पाया। अंग्रेजों ने षट्पत्र पूर्वक भारत के गृह, लघु एवं कुटीर उद्योगों को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि बैतूल में उद्योग भारती के द्वारा आयोजित सम्मेलन जिले के उद्यमियों के लिए स्वर्णिम अवसर है। जिले के उद्योगपति शासन की योजनाओं से अपने उद्योग को आगे बढ़ाएं और नए उद्यमियों को भी प्रोत्साहित करें, जिससे हमारे भारत की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत बन सके। कार्यशाला में श्री सुधाकर पवार ने कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेकों योजनाएं चलाई जा रही है।

शासन की योजना का लाभ लेकर उद्योग डाल रहे उद्योगपति आगे भी शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर अपने उद्योग को अग्रिम ऊंचाई तक ले जाए और युवाओं को उद्योग के क्षेत्र में आने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि जिले में नए रोजगार के अवसर हो सकें।

उद्योगों के विकास के लिए मप्र शासन दृढ़ संकल्पित

कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अश्वत जैन ने कहा कि मध्य प्रदेश में लघु एवं कुटीर उद्योग का विकास हो और युवाओं को रोजगार मिल सके इसके लिए मध्य प्रदेश शासन दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि विगत माह दिसंबर में होशंगाबाद में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था। इसके बाद शासन द्वारा प्रदेश के

हर जिलों में निवेश प्रोत्साहन समिति का गठन किया गया। समिति के माध्यम से उद्योगपतियों, निवेशकों को सरकार की योजनाओं की जानकारी मिल रही है और उनकी समस्याएं दूर हो रही है। इसी क्रम में लघु उद्योग भारती और जिला निवेश प्रोत्साहन संघ के माध्यम से जिले के उद्योगपतियों और निवेशक लाभांश्वित होंगे। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में एसएचजी से

स्टार्टअप अभियान शुरू किया गया है। जिसमें जिले के पांच उद्यमी स्व सहायता समूह के माध्यम से जुड़े है और 8 करोड़ से अधिक का निवेश प्राप्त हुआ। उन्होंने सभी उद्योगपतियों को उद्योग क्षेत्र में आ रही कठिनाइयों से शासन को अवगत करने और युवाओं को उद्योग के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। लघु उद्योग भारती के संरक्षक मुकेश खंडेलवाल ने स्थानीय स्तर पर उद्योगों को विकसित करने शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की । जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र के प्रभारी महाप्रबंधक धीरज मंडलेकर ने बताया कि उद्योगों में प्रतिस्पर्धा, उत्पादकता, गुणवत्ता में सुधार एवं विस्तार तथा कौशल विकास उन्नयन के लिए आरएएमपी की कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमे नवीन एमएसएमई प्रोत्साहन

अस्पताल से छुट्टी के पहले नवजात शिशुओं को मिला जन्म प्रमाण पत्र



कलेक्टर सूर्यवंशी ने अस्पताल पहुंचकर माताओं को दिया सतान का पहला दस्तावेज

बैतूल/नवप्रदेश। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन नादव मंत्रानुरूप जिले में नवजात शिशुओं का जन्म प्रमाण पत्र उनकी माताओं को अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले ही प्रदान किया जा रहा है। यह पहल न केवल प्रशासन की तत्परता को दर्शाती है, बल्कि नवजात के अधिकारों की शुरुआत को भी मजबूत करती है।

इसी क्रम में सोमवार को कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने जिला अस्पताल पहुंचकर श्रीमती नेहा कहार को उनके नवजात शिशु का जन्म प्रमाण पत्र सौंपा। श्रीमती नेहा को 4 जुलाई को अस्पताल में भर्ती किया गया था और सफल प्रसव के पश्चात 7 जुलाई को उन्हें डिस्चार्ज किया गया। शासन की मंशा के अनुरूप उन्हें छुट्टी से पूर्व ही उनके बच्चे का पहला कानूनी दस्तावेज सौंपा गया।

करने और राहवरी योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभागीय पदोन्नति की तैयारियों के संबंध में भी संबंधित विभागों से जानकारी प्राप्त की और शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप जिला स्तर पर पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। % एक पेड़ मां के नाम% अभियान की समीक्षा कर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी विभागों को सख्त हिदायत दी कि अभियान में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सभी विभाग पौध रोपण कराएं और अनिवार्य रूप से अंकुर एप पर उसकी फोटो अपलोड की जाएं।

खुशियों की दास्तां : ग्राम बुधवाड़ा के प्रगतिशील किसान नारायण मीना की प्रेरणादायक कहानी



प्राकृतिक खेती कर कमा रहे हैं रासायनिक खेती के बराबर मुनाफा

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। नर्मदापुरम जिले के विकासखंड माखननगर के ग्राम बुधवाड़ा निवासी प्रगतिशील कृषक श्री नारायण मीना रासायनिक खेती को छोड़कर प्राकृतिक खेती अपनाकर खेती के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। श्री मीना ने बताया कि प्राकृतिक खेती से उन्हें रासायनिक खेती के समान ही मुनाफा हो रहा है और लागत में भी कमी आ रही है। उन्होंने वर्ष 2021 से आत्मा परियोजना एवं कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर से समय-समय पर प्रशिक्षण, कृषि प्रदर्शनी एवं कृषि विज्ञान मेले आदि में सहभागिता कर प्राकृतिक खेती का तरीका सीखा और उसे अपनी जमीन पर सफलतापूर्वक लागू किया। श्री मीना ने मात्र 1 एकड़ भूमि से प्राकृतिक खेती की शुरुआत की थी और आज वे 3 एकड़ भूमि में प्राकृतिक खेती कर रहे हैं।

खरीफ मौसम में श्री मीना ने 3 एकड़ भूमि में पी.बी-1 धान की खेती की, जिसकी कुल लागत 64,500 रुपये आई। उपज बेचने पर 1,98,000 रुपये की आय हुई और लागत घटाने के बाद उन्हें 1,33,500 रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ।

रबी मौसम में उन्होंने 1 एकड़ में डीबीडब्ल्यू-303 किस्म का गेहूं बोया, जिसमें 10,000 रुपये लागत आई। उपज से 35,000 रुपये प्राप्त हुए और

शुद्ध मुनाफा 25,000 रुपये रहा। इसके अलावा रबी मौसम में ही 2 एकड़ में आरबीजी-202 किस्म के चने की खेती की गई, जिसमें 23,600 रुपये की लागत आई। चना बेचने पर 1,26,000 रुपये प्राप्त हुए और 1,02,400 रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया। ग्रीष्मकालीन मौसम में 3 एकड़ भूमि में पीडीएम-139 किस्म की मूंग की खेती की गई। इस पर 35,600 रुपये की लागत आई और उपज बेचने पर 1,35,000 रुपये प्राप्त हुए जिससे 99,400 रुपये का शुद्ध लाभ मिला। इस प्रकार श्री मीना को पूरे वर्ष भर में कुल 3,60,300 रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ।

श्री मीना ने बताया कि वे पोषक प्रबंधन व्यवस्था के तहत जीवामृत, गौकृषामृत, धनजीवामृत का स्वयं निर्माण कर प्रयोग करते हैं। इसके अलावा प्रोम, एजोटोबैक्टर व पी.एस.बी. कल्चर का भी उपयोग किया जाता है। फसल सुरक्षा के लिए दशपर्णी अर्क का निर्माण कर उसका छिड़काव करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से न केवल लागत में कमी आती है बल्कि फसलों के बाजार भाव भी अच्छे मिलते हैं। श्री मीना ने बताया कि वे जैविक कृषि के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के सुधार में योगदान दे रहे हैं। आत्मा परियोजना के मार्गदर्शन में वे अपनी खेती को लगातार उन्नत बना रहे हैं और अन्य किसानों को भी प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

प्रथम पेज का शेष

लुधियाना इंटरैक्टिव सेशन में

उद्योगपतियों को कई सौगाते दी हैं। टेक्सटाइल्स सेक्टर के इंडस्ट्रियल वर्कर्स की सैलरी में मध्यप्रदेश सरकार 5 हजार रुपए की अतिरिक्त मदद देगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में स्कूली बच्चों को साइकिलें बांटी जा रही हैं। साइकिलें मुख्यतः पंजाब में ही बनती हैं। यही साइकल मध्यप्रदेश में भी बन सकती हैं। उद्योगपति मध्यप्रदेश में साइकल बनाने की फैक्ट्री लगाएं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सोने की चिड़िया की पहचान रखता था। वर्ष 1947 में देश आजाद हुआ, तब भारत दुनिया की 15वीं अर्थ-व्यवस्था हुआ करता था। इजरायल और जापान जैसे देश कहां से कहां पहुंच गए। वर्ष 2014 में भारत 11वें स्थान पर था और आज बदलते दौर में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बन गया है और अब तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने कोयम्बटूर, सूरत और अब लुधियाना में रोड-शो कर निवेशकों के साथ संवाद किया है। राज्य में संभागा स्तर पर रीजल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव भी आयोजित की गई। इसी साल फरवरी में भोपाल में हुई जीआईएस के माध्यम से मध्यप्रदेश को

30.77 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले थे। राज्य में इंडस्ट्री के विभिन्न सेक्टर के विकास के लिए अलग-अलग विधियों पर समिट आयोजित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश विभिन्न खनिज संपदाओं से संपन्न क्षेत्र है। यहां निवेश करना निःसंदेह फायदे का सौदा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के हित में सैकड़ों करोड़ रुपये के सेटलमेंट क्लियर किये हैं। यह निर्णय प्रदेश सरकार की श्रमिकों के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यदि किसी नीति में निवेशकों को सुविधा देने के लिए संशोधन की आवश्यकता होगी तो सरकार कैबिनेट स्तर पर भी बदलाव करने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लुधियाना प्रवास के दौरान पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों से वन-टू-वन बैठक कर उन्हें मध्यप्रदेश की निवेश संसर्धक नीतियों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों को भरोसा दिलाया कि मध्यप्रदेश सरकार जहाँ भी संभावनाएं दिख रही हैं, वहाँ नीतिगत बदलाव करने के लिए पूरी तत्परता से काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में श्रमिकों और उद्योगों दोनों के हितों का समान ध्यान रखा जा रहा है।

स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास

सुनिश्चित की जाए। विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लक्षित कार्यों की समयसीमा निर्धारित कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। तकनीकी मानव संसाधन की नियुक्ति शीघ्र हो

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभाग में रिक पड़े तकनीकी पदों की शीघ्र भर्ती के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए तकनीकी मैन पावर की नियुक्ति अत्यावश्यक है। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, परियोजना संचालक श्री नीरज कुमार सिंह, एनएचएम की प्रबंध मैन पावर की नियुक्ति अत्यावश्यक है। विभागीय अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बताया गया कि अधोसंरचना विकास के 2949 कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें से 1972 कार्य पूर्ण तथा 754 कार्य प्रगति पर हैं। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 335 कार्यों का सफलतापूर्वक निष्पादन हुआ है। इन परियोजनाओं के लिए राशि रुपये 2483.37 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, जिसके विरुद्ध अब तक राशि रुपये 729.52 करोड़ का व्यय हो

अभियान की सराहना करते हुए पौधरोपण की महत्ता पर प्रकाश डाला। अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम के अंतर्गत पौधे रोपने की जानकारी प्रदान की गई तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ मातृ सम्मान को भावनात्मक रूप से जोड़ना है। कार्यक्रम में युवाओं से अपील की गई कि वे इस अभियान से जुड़कर अतिरिक्त संख्या में पौधे लगाएं और उन्हें सुरक्षित भी रखें।



न्यूज गैलरी

मोबाइल यूजर्स को लगेगा बड़ा झटका, कंपनियां फिर बढ़ा सकती हैं 12 फीसदी तक दाम

नई दिल्ली। देश में करोड़ों मोबाइल यूजर्स की जेब पर एक बार फिर बोझ बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेलीकॉम कंपनियां इस साल के अंत तक अपने टैरिफ प्लान्स में 10 से 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं। इंडस्ट्री के विश्लेषकों और अधिकारियों का मानना है कि मई महीने में सक्रिय यूजर्स की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि ने कंपनियों को एक और मूल्य वृद्धि के लिए प्रोत्साहित किया है। टेलीकॉम सेक्टर में पिछले पांच महीनों से लगातार नए ग्राहक जुड़ रहे हैं। अकेले मई महीने में 74 लाख नए एक्टिव यूजर्स जुड़े, जिससे कुल आंकड़ा लगभग 1.08 अरब तक पहुंच गया। यह पिछले 29 महीनों में सबसे बड़ा उछाल है। बाजार की दो सबसे बड़ी कंपनियों, रिलायंस जियो और भारती एयरटेल, ने इस वृद्धि में बढ़ी भूमिका निभाई। जियो ने मई में 55 लाख नए एक्टिव यूजर्स जोड़े, जबकि एयरटेल के साथ 13 लाख नए ग्राहक जुड़े। विश्लेषकों का मानना है कि ग्राहकों की इस बढ़ती संख्या को देखते हुए कंपनियां टैरिफ बढ़ाने का फैसला ले सकती हैं। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने आगाह भी किया है। उनका कहना है कि जुलाई 2024 में ही बेसिक प्लान की कीमतों में 11 से 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी, ऐसे में दोबारा कीमतें बढ़ाना एक जोखिम भरा कदम हो सकता है। विश्लेषकों के अनुसार, इस बार की मूल्य वृद्धि सभी यूजर्स पर एक समान असर नहीं डालेगी। कंपनियों का मुख्य निशाना मिड और अपर-लेवल के प्लान्स हो सकते हैं। बेसिक प्लान की कीमतों में पहले ही काफी इजाफा हो चुका है, जिससे निम्न-आय वर्ग के यूजर्स पर दबाव बढ़ा है। इसलिए, कंपनियां अब उन यूजर्स पर फोकस कर सकती हैं जो अधिक डेटा और बेहतर सेवाओं के लिए ज्यादा भुगतान करने में सक्षम हैं।

शक्ति पम्पस (इंडिया) लिमिटेड ने सफलतापूर्वक QIP इश्यू से जुटाए ?292.60 करोड़

इंदौर। शक्ति पम्पस (इंडिया) लिमिटेड (बीएसई: 531431, एनएसई: [SHAKTIPUMP]) ने यह घोषणा की है कि कंपनी ने इस्ट्रट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए क्वालिफाइड इस्ट्रट्यूशनल प्लेसमेंट इश्यू को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और इस माध्यम से ?292.60 करोड़ की पूंजी जुटाई है। इस QIP इश्यू को मौजूदा और नए प्रमुख इस्ट्रट्यूशनल इन्वेस्टर्स से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जो कंपनी के भविष्य की संभावनाओं और अब तक के प्रदर्शन में उनके भरोसे को दर्शाता है। इस पूंजी का उपयोग मध्य प्रदेश के पौधमपुर में सोलर डीसीआर. सेल और सोलर पीवी मॉड्यूल निर्माण के लिए प्लांटकी स्थापना हेतु किया जाएगा। यह परियोजना शक्ति पम्पस की सहायक कंपनीशक्ति एनर्जी सोल्यूशन्स लिमिटेडके माध्यम से संचालित होगी।

मई में ईटीएफ में 2.92 अरब रुपये का शुद्ध निवेश हुआ

वैश्विक स्थिरता के बीच घरेलू सोने की कीमतें बनीं मजबूत

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक की रिपोर्ट के अनुसार आने वाले महीनों में सोने की कीमत बढ़ने की उम्मीद है। यह संभावित रूप से 96,500 से 98,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की मौजूदा सीमा से बढ़कर एक लाख रुपये के स्तर की ओर बढ़ सकती है। रिपोर्ट के अनुसार जून में घरेलू सोने की कीमतों में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घरेलू सोने का भाव साल 2025 की दूसरी छमाही में एक लाख तक बढ़ने की संभावना है। आईसीआईसीआई बैंक ग्लोबल मार्केट्स की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। वैश्विक हालातों के विपरीत, जून में घरेलू सोने की कीमतों में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह रुपये में 0.2 प्रतिशत की मामूली गिरावट के कारण हुई। मात्रा के लिहाज से, सोने के आयात में क्रमिक आधार पर गिरावट आई है। यह दर्शाता है कि ऊंची कीमतों के जवाब में मांग कमजोर हो रही है। मई में 2.5 अरब डॉलर के सोने का आयात दर्ज किया गया, जबकि पिछले महीने यह 3.1 अरब डॉलर था। मई में निवेश की मांग मजबूत रही। एएमएफआई के आंकड़ों से पता चला है कि लगातार दो महीनों की निकासी के बाद मई में एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में 2.92 अरब रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। यह स्थानीय बाजारों में पीली धातु की मजबूत निवेश-संबंधी मांग को दर्शाता है। वैश्विक मोर्चे पर, सोने की कीमतों में क्रमिक गिरावट के बावजूद पीली धातु के लिए निवेश मांग मजबूत बनी रही, जो ईटीएफ प्रवाह से भी स्पष्ट है। सोने में एसपीडीआर ईटीएफ प्रवाह 1 जून 2025 तक 930 टन से बढ़कर 1 जुलाई 2025 तक 948 टन हो गया। हाल के महीनों में, सोने की कीमतों में तेजी रुक गई है, क्योंकि पिछले महीने कीमतें स्थिर रहीं, जो सुरक्षित निवेश की मांग में आई कमी को दर्शाता है। हालांकि, 2025 में इयर-टू-डेट आधार पर कीमतें 28 प्रतिशत अधिक रहें।



जो सुरक्षित निवेश की मांग में आई कमी को दर्शाता है। हालांकि, 2025 में इयर-टू-डेट आधार पर कीमतें 28 प्रतिशत अधिक रहें।

कम हो गई। साथ ही, बाजार अमेरिका और अन्य देशों के साथ व्यापार सौदों पर सहमत होने की स्थिति में है। यह टैरिफ लागू करने की जरूरत को सीमित करेगा। अमेरिका पहले ही ब्रिटेन और वियतनाम के साथ समझौतों पर सहमत हो चुका है, जबकि जापान, भारत और यूरोपीय संघ जैसे अन्य देशों के साथ वार्ता में काफी प्रगति हुई है। इसके अलावा, अमेरिका और चीन एक व्यापार समझौते की रूपरेखा पर भी सहमत हो गए हैं, जो संभवतः अगस्त तक पूरा हो जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव में सुधार और व्यापार युद्ध 2.0 के प्रभाव में कमी आने की उम्मीदों ने सोने की कीमतों में आने वाली तीव्र वृद्धि को सीमित कर दिया है। निवेश संबंधी मांग ने सोने की कीमतों को बढ़ावा देना जारी रखा है क्योंकि आभूषणों की मांग में नरमी देखी गई है।

गूगल दे रहा है 8500 रुपए, अगर आपके पास भी है यह फोन तो ऐसे उठाएं फायदा

भारत में 21 जुलाई से शुरू होगी बैटरी रिप्लेसमेंट सुविधा

नई दिल्ली। अगर आप गूगल का पिक्सल 6ए स्मार्टफोन इस्तेमाल करते हैं तो आपके लिए एक बड़ी खबर है। कंपनी ने फोन में लगातार आ रही ओवरहीटिंग और बैटरी परफॉर्मेंस की शिकायतों के बाद एक नया ‘बैटरी परफॉर्मेंस प्रोग्राम’ शुरू किया है। इस प्रोग्राम के तहत, गूगल प्रभावित यूजर्स को या तो फ्री में बैटरी बदलकर देगा या मुआवजे के तौर पर 100 डॉलर (लगभग 8,500 रुपये) की पेशकश कर रहा है।

क्यों शुरू किया गया यह प्रोग्राम?

दरअसल, गूगल पिक्सल 6डू के कई यूजर्स ने फोन के गर्म होने (ओवरहीटिंग) और बैटरी जल्दी खत्म होने की शिकायत की थी। इन समस्याओं को स्वीकार करते हुए कंपनी ने यह कदम उठाया है। समस्या के समाधान के लिए कंपनी 8 जुलाई से एंड्रॉयड 16 का अपडेट भी जारी करेगी, जिससे फोन की परफॉर्मेंस बेहतर होने और ओवरहीटिंग का खतरा



कम होने की उम्मीद है।फ्री बैटरी रिप्लेसमेंट- यूजर्स गूगल के किसी भी अधिकृत सर्विस सेंटर पर जाकर अपने फोन की बैटरी मुफ्त में बदलवा सकते हैं।नकद मुआवजा- जो लोग बैटरी नहीं बदलवाना चाहते, वे 100 डॉलर (करीब 8,500 रुपये) का नकद मुआवजा ले सकते हैं।गूगल

दुस्व्थदू नंबर और डिवाइस से लिंक ईमेल आईडी दर्ज करनी होगी। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि नकद भुगतान थर्ड-पार्टी ‘क्रेडिट4थटुदूदूदू’ के जरिए किया जाएगा, जिसके लिए आईडी फ्रूफ और पैन कार्ड जैसी जानकारी मांगी जा सकती है। यह भी ध्यान रखें कि अंतिम मुआवजा राशि उस दिन के एक्सचेंज रेट पर निर्भर करेगी।गूगल ने यह भी साफ किया है कि जिन फोन में लिफ्टिड डैमेज (पानी से हुई खराबी) या फिजिकल डैमेज है, वे फ्री बैटरी रिप्लेसमेंट के लिए योग्य नहीं होंगे। साथ ही, अगर फोन वारंटी में नहीं है और उसकी स्क्रीन टूटी हुई है, तो कंपनी आपसे सर्विस फीस वसूल सकती है।गूगल के अनुसार, भारत में बैटरी रिप्लेसमेंट की यह सुविधा 21 जुलाई, 2025 से वॉक-इन रिपेयर सेंटरों पर उपलब्ध होगी। यह सुविधा भारत के अलावा अमेरिका, कनाडा, यूके, जर्मनी, जापान और सिंगापूर में भी शुरू की जाएगी।

मारुति की इस कार पर 1 लाख रुपए से ज्यादा की बंपर छूट

टाटा टायगो पर भी मिल रहा तगड़ा डिस्काउंट

नई दिल्ली। अगर आप इस महीने नई कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए शानदार मौका है। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय हैचबैक गाड़ियों पर जुलाई में भारी छूट दे रही हैं। खास तौर पर, मारुति की ‘टॉल बॉय’ कही जाने वाली वैगनआर पर 1.05 लाख रुपए तक के फायदे मिल रहे हैं, जो इसे खरीदने का एक आकर्षक अवसर बनाता है। ‘गाड़ीवाड़ा’ की एक रिपोर्ट के अनुसार, मारुति सुजुकी अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में से एक, वैगनआर पर 1.05 लाख रुपए तक का जबरदस्त डिस्काउंट दे रही है।

की एक्स-शोरूम कीमत 5.78 लाख रुपए से शुरू होकर 7.49 लाख रुपए तक जाती है। मारुति वैगनआर को कड़ी टक्कर देने वाली टाटा टियागो पर भी आकर्षक ऑफर्स दिए जा रहे हैं। कंपनी पिछले साल (2024) के स्टॉक पर ?30,000 तक के फायदे दे रही है। ऑफर- टियागो के 2024 मैनुअल (पेट्रोल) मॉडल्स पर 20,000 रुपए तक और सीएनजी वैरिएंट्स पर 15,000 रुपए तक की छूट है। वहीं, झड़झड़थ हन्त के सभी वैरिएंट्स पर 30,000 रुपए तक का फायदा मिल रहा है। माइलेज- कारदेखी के मुताबिक, टियागो का पेट्रोल मॉडल 19 से 20.09 किमी/लीटर और सीएनजी मॉडल 26.49 से 28.06 किमी/किग्रा का माइलेज देता है। कीमत- टाटा की इस लोकप्रिय हैचबैक की एक्स-शोरूम कीमत 4.99 लाख रुपए से शुरू होकर 8.84 लाख रुपए तक है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, 2025 मॉडल टियागो पर फिलहाल किसी बेनिफिट की जानकारी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में, जो ग्राहक कम कीमत में एक बेहतरीन हैचबैक खरीदना चाहते हैं, उनके लिए यह महीना शानदार अवसर लेकर आया

खेल, मनोरंजन

यंगिस्तान ने बर्मिंघम में तोड़ा इंग्लैंड का घमंड

बर्मिंघम। 2021 में ऑस्ट्रेलिया के गाबा का घमंड तोड़ने वाली टीम इंडिया ने अब बर्मिंघम-एजबेस्टन का घमंड तोड़ दिया है। इस जीत के साथ ही शुभमन युग का शुभारंभ भी हो चुका है। गंभीर की कोलिंग में यह विदेशी धरती पर टीम इंडिया की सिर्फ दूसरी टेस्ट जीत है। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया के पथ में मैच जीता था।

भारत ने बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट में मेजबान इंग्लैंड को 336 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही युवा टीम इंडिया ने कई रिकॉर्ड बनाए और इतिहास रचा। इस सीरीज की शुरुआत में ज्यादातर क्रिकेट पंडितों ने शुभमन गिल की टीम को कमतर आंका था और कहा था कि नया और एक कम अनुभवी कप्तान के रहने से टीम इंडिया को नुकसान होगा, लेकिन गिल एंड कंपनी ने सभी के मुंह पर ताला लगा दिया। भारत के 608 रन के लक्ष्य का पीछा करते



हुए इंग्लैंड की दूसरी पारी 271 रन पर रिमट गई। इसी के साथ 2021 में ऑस्ट्रेलिया के गाबा का घमंड तोड़ने वाली टीम इंडिया ने अब बर्मिंघम-एजबेस्टन का घमंड तोड़ दिया है। इस जीत के साथ ही शुभमन युग का शुभारंभ भी हो चुका है। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लंदन के लॉर्ड्स में शुरू होगा। टीम इंडिया ने बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर

सबसे पहला मैच 1967 में खेला था। चाहे विराट कोहली हों या धोनी या फिर द्रविड़ या फिर सौरव गांगुली, इस टेस्ट से पहले यहां किसी भारतीय कप्तान ने जीत हासिल नहीं की थी। हालांकि, गिल ने अपना नाम इतिहास की किताबों में दर्ज करा लिया है। उनके नेतृत्व में टीम इंडिया ने 58 वर्षों का सूखा खस कर दिया है और गिल बर्मिंघम के एजबेस्टन

में जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं। बर्मिंघम इंग्लैंड के उन तीन स्थलों में शामिल था जहां भारतीय टीम ने कभी जीत हासिल नहीं की थी। इस मैच से पहले बर्मिंघम में भारतीय टीम ने आठ मैच खेले थे जिसमें सात में उसे हार का सामना करना पड़ा था, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा था। लेकिन गिल की अगुआई में भारतीय

खिलाड़ियों ने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए एजबेस्टन में इतिहास रच दिया। इतना ही नहीं, गिल बर्मिंघम में जीत हासिल करने वाले पहले एशियाई कप्तान भी बन गए। वहीं, भारत बर्मिंघम में टेस्ट जीतने वाली पहली एशियाई टीम है। कुल मिलाकर एशियाई टीमों ने यहां 19 टेस्ट खेले हैं। भारत ने नौ, पाकिस्तान ने आठ और श्रीलंका ने दो टेस्ट खेले हैं। भारतीय टीम ने एजबेस्टन में अपने नौवें टेस्ट में जाकर जीत हासिल की, जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका ने अभी तक एजबेस्टन में जीत का स्वाद नहीं चखा है। पाकिस्तान 1962 में इस मैदान पर टेस्ट खेलने वाली पहली एशियाई टीम थी। भारत की यह विदेश में रनों के लिहाज से टेस्ट में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नॉर्थ साउंड में 318 रनों से मैच जीता था। वहीं, रनों के लिहाज से टेस्ट में ओवरऑल उसकी चौथी

एशियाई पैरा चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहा भारत, हरविंदर ने जीते दो स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। प्रतियोगिता के अंतिम दिन हरविंदर ने रिकर्व पुरुष ओपन खिताब भी जीता जिससे प्रतियोगिता में उनके नाम तीन पदक रहे। हरविंदर और भावना ने चीन के झिहान गाओ और जुन गेन को फाइनल में 5-4 (14-8) से हराकर खिताब जीता। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत पैरालंपिक चैंपियन हरविंदर ने दो स्वर्ण पदक के साथ पदक की हैट्रिक पूरी की जिससे भारत रविवार को यहां बीजिंग 2025 एशियाई पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप की पदक तालिका में मेजबान चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा। भारत ने प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदक जीते। चीन



10 स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर रहा। पुरुष रिकर्व कालीफाईंग दौरे में 663 अंक के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और नए चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ शीर्ष पर रहे हरविंदर ने इससे पहले भावना के साथ मिलकर रिकर्व ओपन मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। प्रतियोगिता के अंतिम दिन हरविंदर ने रिकर्व पुरुष ओपन खिताब भी जीता जिससे प्रतियोगिता में उनके नाम तीन

पदक रहे। हरविंदर और भावना ने चीन के झिहान गाओ और जुन गेन को फाइनल में 5-4 (14-8) से हराकर खिताब जीता। गाओ शूट ऑफ में चूक गए जिससे भारतीय जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। रिकर्व पुरुष ओपन फाइनल में हरविंदर ने थाईलैंड के हेनरुचाई नेतसिरी को 7-1 से हराकर भारत को प्रतियोगिता का तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया। भारत ने एक और स्वर्ण कंपाउंड महिला टीम स्पर्धा में जीता जहां शीतल देवी और ज्योति ने ल्यु झेग और जिंग झाओ की चीन की जोड़ी को 148-143 से हराया। चीन की जोड़ी अंतिम ऑटम चरण में चूक गए जिसमें ल्यु एक निशाना

मोनिका ने बाक्सिंग में जीता स्वर्ण पदक

रामपुर बुशहरा ननखड़ी तहसील के पनेल गांव की मुक्केबाज मोनिका नेगी ने अमेरिका के बर्मिंघम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बाक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। शिमला जिले के ननखड़ी तहसील के पनेल गांव की मुक्केबाज मोनिका नेगी ने अमेरिका के बर्मिंघम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बाक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर चुकी हैं। वे मुक्केबाजी में राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल का कई बार प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मोनिका नेगी ने दो बार राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है और पंजाब के जालंधर में आयोजित ऑल इंडिया विश्वविद्यालय बाक्सिंग प्रतियोगिता



में मोनिका ने यूएसएजीई की बॉक्सर को 5-0 से पराजित किया। मोनिका नेगी भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस बल में कार्यरत हैं। मोनिका नेगी इससे पहले भी बाक्सिंग में कई पदक जीतकर रामपुर और हिमाचल का नाम रोशन कर चुकी हैं। वे मुक्केबाजी में राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल का कई बार प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मोनिका नेगी ने दो बार राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है और पंजाब के जालंधर में आयोजित ऑल इंडिया विश्वविद्यालय बाक्सिंग प्रतियोगिता

जेन्मा नचतिरम् का सफर मेरी जिंदगी का खूबसूरत चैप्टर : मालवी मल्होत्रा

एक्ट्रेस मालवी मल्होत्रा अपनी नई फिल्म जेन्मा नचतिरम् के साथ हॉरर-थ्रिलर फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाने जा रही हैं। एक्ट्रेस मालवी ने हाल ही में बताया कि आखिर यह फिल्म उनके लिए इतनी खास क्यों है? उन्होंने इस फिल्म के सफर को अपनी जिंदगी का खास चैप्टर करार दिया।मालवी ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूँ। हमेशा की तरह, मैंने इसमें बहुत मेहनत की है और अपने प्रदर्शन में पूरी कोशिश की है। भगवान की कृपा से यह एक शानदार महिला-केंद्रित फिल्म है और मुझे इसमें मुख्य भूमिका निभाने का मौका मिला है, इसके लिए मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ। उन्होंने आगे कहा, यह एक रोचक हॉरर थ्रिलर फिल्म है, जिसमें प्यार की कहानी भी है। मैं कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती। बस इतना कह सकती हूँ कि जब यह फिल्म जल्दी ही सिनेमा हॉल में आएगी, तो हर कोई इसे देखकर एन्जॉय करेगा। मैं अपने निर्देशक बी. मणिवर्मन की बहुत आभारी हूँ, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे इस फिल्म में मौका दिया।



मैं बहुत उत्साहित हूँ और फिल्म के रिलीज होने का बेसबी से इंतजार कर रही हूँ। तमिल फिल्म जेन्मा नचतिरम् में मालवी मल्होत्रा के अलावा, तमन आकाश, मैत्रेय, रक्षा चौरन, शिवम, अरुण कार्थी, काली वेंकट, मुनीशकांत, वेलायामामूर्ति, थलाडवावल विजय, संथाना भारती, बॉयज राजन, नकालिते निवेदिता और यासर भी मुख्य भूमिका में हैं।यह थ्रिलर फिल्म सुभाषिनी के.

‘आमि डाकिनी’ में ‘मीरा के किरदार के लिए अपने जीवन से प्रेरणा लेती हैं राची शर्मा



मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो ‘आमि डाकिनी’ दर्शकों का गहराई से भारी भावनाओं और परतदार कहानी की दुनिया में लगातार खींच रहा है। कोलकाता की पृष्ठभूमि पर रचे इस धारावाहिक में हर किरदार अपने भीतर प्यार, क्षति और अनकहे सच का बोझ लिए हुए है, जहाँ ह्रस्व भी है, मौन भी। इसी कहानी के केंद्र में हैं मीरा घोष, जिनका किरदार निभा रही हैं प्रतिभाशाली अभिनेत्री राची शर्मा। मीरा सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि अपने परिवार की भावनात्मक रीढ़ हैं। एक ऐसी महिला, जो कर्तव्य और प्रेम के बीच संतुलन साधे

हुए हैं। राची शर्मा बताती हैं कि वह मीरा के सफ़र से कितनी गहराई से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा, "मीरा घोष बहुत बहादुर है, लेकिन उतनी ही भावुक भी। बहुत कम उम्र से ही वह अपने परिवार की ताकत बन गई, खासकर तब से जब उन्होंने बचपन में ही अपनी माँ को खो दिया। यही वजह है कि उनकी छोटी बहन उन्हें प्यार से 'मीरा माँ' कहती है, क्योंकि मीरा ने माँ की भूमिका निभाई और अपनी बहन की परवरिश की। वह अपनी बहन की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहती है और उसमें एक अटूट 'कभी हार न मानने' वाला जज्बा है। उसकी यह बात मुझसे बहुत मेल खाती है। मेरे पास एक छोटा भाई है, और मीरा की एक छोटी बहन। भाई-बहन का यह रिश्ता मेरे दिल के बहुत करीब है।"



■ न्यूज गैलरी

भालू के हमले में 3 लोगों की मौत, 4 घायल

सीधी के संजय टाइगर रिजर्व में झपटा, ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला



सीधी/नवप्रदेश। सीधी जिले में भालू के हमले में तीन ग्रामीणों की मौत हो गई। चार घायल हैं। घटना से गुस्साग्रामीणों ने भालू को लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मौके पर ही मार डाला। मामला संजय टाइगर रिजर्व से लगी ग्राम पंचायत बस्तुआ की दलित बस्ती में सोमवार का है। यहां सुबह करीब 5 बजे भालू ने बब्बू यादव (80) पर हमला कर दिया। बुजुर्ग की चीख सुनकर दीनबंधु साहू (70), मनीष साहू (27) और संतोष यादव (43) बचाने दौड़े। भालू उन पर भी झपट पड़ा। बब्बू और दीनबंधु की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल संतोष यादव, मनीष साहू, तेजबली सिंह और दो अन्य को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान संतोष ने दम तोड़ दिया। हमले में एक भैंस भी घायल हुई है।

वन विभाग से गश्त बढ़ाने की मांग

भैंस चरा रहे लोगों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। यहां भालू को घेर लिया। उसे मार डाला। घटना के बाद गांव में डर का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने की मांग की है। मड़वास थाना प्रभारी भूपेश बेस ने कहा- वन विभाग मामले की जांच कर रहा है। ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगल में अकेले न जाएं। यह क्षेत्र वन्यजीवों की सक्रियता वाला है इसलिए सतर्कता बतानी जरूरी है।

राजा के परिवार ने शिलॉन्ग-दिल्ली में हायर किए 3 वकील

कोर्ट में सोनम-राज के नार्को टेस्ट की मांग करेंगे; भाई बोला- मर्डर की वजह जानना है

इंदौर/नवप्रदेश। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के आरोपियों के नार्को टेस्ट की मांग को लेकर अब शिलॉन्ग हाईकोर्ट में अपील की जाएगी। इसके लिए राजा के परिवार ने 3 वकील हायर कर लिए हैं। हाईकोर्ट में अपील खारिज होती है तो परिजन सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे। दरअसल, राजा का परिवार आज भी उसकी हत्या की वजह तलाश रहा है। परिजन का मानना है कि नार्को टेस्ट के जरिए ही आरोपी हत्या की वजह बताएंगे। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा- मैं आरोपियों के नार्को टेस्ट की मांग को लेकर इसी हफ्ते शिलॉन्ग जाऊंगा।

हत्या में बड़ा नेटवर्क शामिल होने का शक

विपिन ने कहा- राजा की हत्या सोनम और राज ने वयों की, ये अभी तक सामने नहीं आया है। मुझे शक है कि इसमें बड़ा नेटवर्क शामिल है। नार्को टेस्ट से इस नेटवर्क का खुलासा होगा और वजह भी सामने आएगी। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि उन्होंने राजा को मारने के लिए वकील या पुलिस की सलाह ली होगी या तांत्रिक क्रिया की होगी। इनका नेटवर्क बड़ा है, जो बाहर नहीं आ रहा है। मैं इसी हफ्ते मंगलवार से शनिवार के बीच पहले दिल्ली और फिर वहां से शिलॉन्ग जाऊंगा। विपिन रघुवंशी ने कहा- मेघालय पुलिस नार्को टेस्ट नहीं कराना चाहती है, हमें उसमें कोई परेशानी नहीं है। पुलिस ने मामले की बारीकी से जांच की है। 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी कार्रवाई पर कोई संदेह नहीं है। मैं उनके काम से संतुष्ट हूं, लेकिन मैं भाई होने का पूरा फर्ज निभाऊंगा। विपिन ने कहा- हमने राजा को छोटे से बड़ा किया। उसका पूरा बचपन देखा। धूमधाम से शादी की। उसकी शादी को लेकर हम बहुत खुश थे, लेकिन हनीमून से लापता होने के बाद सारी चीजें बदल गईं। फिर उसकी मौत का पता चला। हमने कभी सोचा भी नहीं था कि राजा के साथ ऐसा होगा। सोनम ने थोखा दे दिया। अगर किसी हादसे में राजा चला जाता तो इतना दुख नहीं होता, जितना आज हो रहा है। 6 जुलाई को देवशयनी ग्यारस पर पूरे परिवार ने उसके लिए उपवास भी रखा।

पौधरोपण एवं उनके संरक्षण के लिए कार्ययोजना बनाएं : मंत्री पटेल

मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद की कार्यकारणी समिति की 7वीं संपन्न

भोपाल/नवप्रदेश। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में विभाग द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत खेत तालाब, अमृत सरोवर, रीचार्ज पिट लक्ष्य से अधिक बनाये गये। अभियान में किये गये कार्यों के परिणाम आगामी वर्षों में परिलक्षित होंगे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बड़ी नदियों के अस्तित्व को बचाने के लिये छोटी नदियों के उद्गम स्रोतों का संरक्षण आवश्यक है। मंत्री श्री पटेल सोमवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद कार्यकारणी की 7वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने के लिये विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य हमें सतत जारी रखना है। भविष्य में पौधरोपण एवं उनके



संरक्षण के लिये कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाये। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों से पौधरोपण एवं संरक्षण के लिये ःमां की बगिया योजना 15 अगस्त से लागू की जा रही है। यह योजना ग्रामीण महिलाओं के स्वावलंबन में महत्वपूर्ण कारक बनेगी। 15 जुलाई से 15 अगस्त तक चिन्हित शासकीय

भूमि पर एवं 15 अगस्त से 15 सितंबर पर निजी भूमि पर सघन पौधरोपण किया जायेगा। उन्होंने ःजल गंगा संवर्धनः अभियान में सिपरी सॉफ्टवेयर जैसी तकनीकों का उपयोग करने की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारे यह प्रयास निश्चित ही आने वाली पीढ़ियों की जल आवश्यकताओं को पूरा करने की

दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि संविदा अधिकारियों-कर्मचारियों की नवीन सेवा शर्तों में आकस्मिक मृत्यु/दुर्घटना के समय सहायता राशि प्रदान करने के प्रावधानों का समावेश करें। इस संबंध में सामान्य प्रशासन एवं वित्त विभाग के नियमों का पालन किया जाए। आयुक्त मनरेगा, श्री

करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेरपुर कोर्ट में पेश

अटैप्ट टू मर्डर का केस, मंदसौर में गिरफ्तारी के खिलाफ हुआ था प्रदर्शन

मंदसौर/नवप्रदेश। मंदसौर में करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर को सोमवार दोपहर सेशन कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस उन्हें भारी सुरक्षा में कोर्ट लेकर पहुंची। कोर्ट परिसर के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। शेरपुर ने शनिवार को प्रदर्शन के बाद थाने में पहुंचकर आत्मसमर्पण किया था। जानकारी के अनुसार, साल 2024 में भावगढ़ थाना क्षेत्र के बेहपुर गांव में महेंद्र सिंह पर जानलेवा हमला हुआ था। इस मामले में जीवन सिंह शेरपुर को धारा 307 (जान से मारने की कोशिश) का आरोपी बनाया गया। भावगढ़ पुलिस की जांच के बाद कोर्ट ने शेरपुर को शनिवार को पुलिस हिरासत में लिया गया था। सोमवार को कोर्ट में पेशी के बाद उसे मेडिकल के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां बड़ी संख्या में पुलिसबल और करणी सेना कार्यकर्ता मौजूद रहे। हाल ही में 26 जून को जीवन सिंह और उनके साथियों पर एक शराब ठेके पर रंगदारी मांगने और कर्मचारियों से मारपीट करने का आरोप लगा। सन्नद्धक में स्ट्र-स्क्र एक्ट, रंगदारी और मारपीट की धाराएं जोड़ी गईं। ठेके पर मारपीट का वीडियो भी वायरल हुआ।

मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 11 जुलाई को इंदौर में

नेक्स्ट होराइजन : बिल्डिंग सिटीज़ ऑफ़ टुमारो थीम पर होगा कॉन्क्लेव

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश में रीयल एस्टेट की गतिविधियों के विस्तार के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 11 जुलाई को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में ऋमध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेवक्क का आयोजन किया जा रहा है। ऋनेक्स्ट होराइजन- बिल्डिंग सिटीज़ ऑफ़ टुमारोक्क थीम पर आधारित यह कॉन्क्लेव राज्य के शहरी विकास और निवेश के लिये नए क्षितिज खोलने का माध्यम बनेगा। ःउद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025% के अंतर्गत इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश की नगरीय अधोसंरचना को भविष्योन्मुखी बनाना, सतत विकास को गति देना और व्यापक निवेश आकर्षित करना है।

मध्यप्रदेश में निवेश इसलिये

मध्यप्रदेश देश के केन्द्र में रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसलिये यहां से

आसानी से देश भर से लॉजिस्टिक संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश में तेज गति से होता शहरीकरण, विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे शहरों में सशक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। राज्य में सस्ती भूमि और श्रम, सरल प्रशासनिक प्रक्रियाएं हैं और उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियाँ लागू की गई हैं। मध्यप्रदेश में केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री गति-शक्ति, अमृत 2.0 और स्मार्ट-सिटी जैसी योजनाओं से प्रदेश में समावेशी विकास हो रहा है।

निवेश और विकास के प्रमुख क्षेत्र

प्रदेश में विकास और निवेश शहरी परिवहन (मेट्रो, ई-बस, मल्टीमॉडल हब), किफायती आवास, रलम पुनर्विकास, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति, सीवेज नेटवर्क, झील संरक्षण, डिजिटलीकरण, ई-गवर्नंस,

भवन स्वीकृति प्रणाली और स्वच्छ ऊर्जा, हरित भवन, रिन्यूएबल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। निवेशक इन क्षेत्रों में निवेश कर भविष्य में होने वाले लाभ के सहभागी हो सकते हैं।

प्रमुख आगामी अधोसंरचना विकास परियोजनाएँ

मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना, स्मार्ट सिटी के तहत इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटरस, इंडस्ट्रियल टॉउनशिप्स, न्यू टॉउन डेवलपमेंट प्लान, नगरीय निकायों में आधुनिक वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट्स और स्ट्रीट वैंडिंग जोन, शहरी स्वास्थ्य केंद्रों का सुदृढीकरण जैसी परियोजनाएं चल रही हैं और कुछ भविष्य के लिए प्रस्तावित हैं।

निवेश को साकार करने हेतु सुदृढ इको-सिस्टम

टेम्पो ट्रैक्स पेड़ से टकराया, 3 महिलाओं की मौत

शहडोल में बच्चों समेत 15 घायल; सभी अयोध्या से छत्तीसगढ़ लौट रहे थे



शहडोल/नवप्रदेश। शहडोल के ब्यूँहारी थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह 4.40 बजे एक टेम्पो

ट्रैक्स (ष्टव10-डक्क8657) जोरा गांव के पास पेड़ से टकरा गया। हादसे में तीन महिलाओं की

मौके पर मौत हो गई। वहीं 15 महिलाएं और बच्चे घायल हैं। जानकारी के मुताबिक टेम्पो ट्रैक्स (त्फान) में कुल 20 लोग सवार थे। ड्राइवर के अलावा सभी महिलाएं और बच्चे थे। ये लोग अयोध्या से दर्शन कर लौट रहे छत्तीसगढ़ लौट रहे थे।

4 घायल शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर

थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को पहले ब्यूँहारी अस्पताल ले जाया गया। वहां से गंभीर घायलों को मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान गायत्री कवर (55), मालती पटेल (50) और ईंदिरा बाई के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस और पुलिस वाहनों से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मृतकों के परिजन को फोन पर सूचना दी है, जो ब्यूँहारी के लिए रवाना हो गए हैं।

भोपाल में करंट से 11 साल के बच्चे की मौत

घर में खेलते वक्त गेट की चौखट

छूते ही बेसुध हुआ मासूम, अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम



भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के ईंटखेड़ी में करंट की चपेट में आने से तीसरी कक्षा में पड़ने वाले 11 साल के छत्र की मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह की है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पीएम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक ओम अहिरवार (11) ईंटखेड़ी लांबाखेड़ा का रहने वाला था। वह एक प्राइवेट स्कूल में तीसरी कक्षा की पढ़ाई करता था। उसके पिता एक प्राइवेट हॉस्पिटल में हाउस कीर्पिंग का काम करते हैं। परिवार में मां-

पिता के अलावा उसका एक भाई था। सोमवार की सुबह घर में खेल रहा था। एक गेट की लोहे की चौखट में करंट उतरा हुआ था। जैसे ही बच्चे ने इस चौखट को छुआ तो करंट लगने के बाद बेसुध हो गया। तत्काल परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

नाले में कार बही, पूरा परिवार खत्म: नर्स, पति और दो बच्चों के शव मिले

लोगों ने पुल पर जाने से रोका था

अनूपपुर/नवप्रदेश। अनूपपुर जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर अमरकंटक रोड पर सजहा नाले में एक स्विफ्ट डिजायर कार बह गई। कार में पति-पत्नी और दो बच्चे सवार थे। कार सवार एसईसीएल कर्मी चंद्रशेखर यादव (38), उनकी पत्नी प्रीति यादव (37), बेटा रेंयाश (8) और बेटी सीबी (2) की मौत हो गई। पुलिस ने चारों के शव बरामद कर लिए हैं। किरर के रहने वाले चंद्रशेखर यादव अपनी पत्नी प्रीति यादव और दो बच्चों के साथ अमरकंटक गए थे। प्रीति यादव जिला अस्पताल में नर्स के पद पर कार्यरत थीं। प्रीति का शव रविवार को घटनास्थल से 5 किमी दूर मिला था। जबकि पति और दो बच्चों के शव सोमवार को 9 किमी के दायरे में मिले। चंद्रशेखर यादव मूल रूप से शहडोल जिले के धनपुरी के रहने वाले थे। वह भायूमगड़ा के जमुना कोतमा क्षेत्र में



एसईसीएल में काम करते थे। रविवार छुट्टी का दिन था, इसलिए परिवार के साथ अमरकंटक घूमने गए थे। हादसा रात करीब 9 बजे हुआ। वापसी के दौरान सजहा पुल पर पानी का बहाव तेज था। दोनों तरफ कई वाहन रुके थे। लोगों ने चंद्रशेखर को भी पुल पार न करने की

सलाह दी, लेकिन एक बस के पुल पार करने के बाद चंद्रशेखर ने भी हिम्मत कर कार आगे बढ़ाई। इसी दौरान पुल का एक हिस्सा टूट गया और तेज बहाव में कार बह गई। पुलिस ने सोमवार दोपहर 12 बजे चंद्रशेखर और उनके दो बच्चों का शव बरामद किया। रविवार देर रात पत्नी

प्रीति का शव मिल चुका था।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- पार करने से मना कर रहे थे

पास ही रहने वाले जसमत सिंह बंजारा ने बताया कि पुलिया में पानी ज्यादा होने के कारण पहले एक कार आई, जिसे आसपास के लोगों ने निकाल लिया था। उसके थोड़ी देर बाद एक बस निकली। बस के पीछे ही चंद्रशेखर यादव कार सवार अपने परिवार के साथ तेज बहाव में पुलिया पार करने लगे। पास ही स्थित वेयरहाउस के कर्मचारी उन्हें पुलिया पार करने के लिए बार-बार मना कर रहे थे। जसमत सिंह बंजारा ने बताया कि शाम करीब 6 बजे पुलिया में पानी ऊपर तक आ गया था। पुलिया में पेड़-पौधे फंसने की वजह से पानी सड़क पर आया। पानी का बहाव इतना तेज था कि हमें घर से सामान निकालने का मौका नहीं मिला।

घर का दरवाजा लगाकर पास ही स्थित एक पक्के मकान की छत पर चढ़ गए। इसी दौरान हमने ये हादसा देखा। चंद्रशेखर यादव के माता-पिता का निधन पहले ही हो चुका था। इस हादसे के बाद अब परिवार में कोई नहीं है। वहीं, पत्नी प्रीति यादव के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। वह अपनी बेटी-दामाद और नाती-नातिन का शव लेने अनूपपुर जिला अस्पताल पहुंचे।

सांत्वना देने राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल पहुंचे

परिवार को सांत्वना देने के लिए मध्य प्रदेश कुटीर एवं ग्राम उद्योग राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल भी जिला अस्पताल पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। दिलीप जायसवाल ने पीड़ित परिवार को विधायक निधि से 25-25 हजार रुपए देने की घोषणा की है।

ताजिया देखने गए दलित युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या

दोस्त बोला- धक्का लगने के विवाद में चार युवकों ने किया हमला, पुलिस ने दो आरोपी पकड़े

शहडोल/नवप्रदेश। शहडोल की पुरानी बस्ती में मोहर्रम का ताजिया देखने गए 19 वर्षीय दलित युवक देवराज वंशकार की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। घटना रविवार रात 8 बजे की है। मृतक के पिता नरेंद्र वंशकार ने बताया कि उनका बेटा मेकेनिक का काम करता था। देवराज के दोस्त सोहेल ने बताया कि वे सभी साथ में थे। ताजिया देखने के बाद एक युवक से टक्कर के बाद विवाद हो गया। इस दौरान चार लोगों ने देवराज पर चाकुओं से हमला कर दिया। घायल देवराज को पहले जिला अस्पताल

ले जाया गया। उसकी हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। सोमवार सुबह 8 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर ली जाएगी। स्थानीय लोगों ने इलाके में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। ताजिया विसर्जन के दौरान दलित युवक की हत्या के बाद लोगों में आक्रोश है। परिजन और स्थानीय लोगों ने द्रष्टा चौक पर शव रख कर करीब एक घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया। परिजन हत्या के फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और फांसी की सजा देने की मांग कर रहे हैं।

